भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 23 जून, 2025
जारी करने का समय: 1330 घंटे

विषय: i) 25 जून से उत्तर-पश्चिम भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ वर्षा गतिविधि में वृद्धि की संभावना है।
ii) अगले 7 दिनों के दौरान मध्य, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा गतिविधि जारी रहने की संभावना है, 23 और 24 जून को पश्चिमी मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून (अनुलग्नक I):

- मानसून की उत्तरी सीमा 25.0°N/60.0°E, 25.0°N/65.0°E, 25.5°N/70.0°E, जयपुर, आगरा, रामपुर, देहरादून, शिमला, पठानकोट, जम्मू और 33.5°N/73.0°E और 34.0°N/71.0°E से होकर गुजर रही है।
- अगले 2 दिनों के दौरान उत्तरी अरब सागर के शेष हिस्सों, राजस्थान के कुछ और हिस्सों, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कुछ हिस्सों, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शेष हिस्सों, हिमाचल प्रदेश और जम्मू के शेष हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं।

पिछले 24 घंटों का वास्तविक मौसम (22 जून, 2025 की 0830 IST तक) (अनुलग्नक II):

- पश्चिमी मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा तथा कुछ स्थानों पर अत्यंत भारी वर्षा दर्ज की गई।
- गुजरात राज्य, कोंकण, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, केरल, मध्य महाराष्ट्र, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, झारखंड, पूर्वी मध्य प्रदेश, असम और मेघालय, मणिपुर में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा।
- हिमाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर 60-80 किमी प्रति घंटे की गति से तूफानी/तेज हवाओं के साथ आंधी; मध्य महाराष्ट्र, सौराष्ट्र और कच्छ, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंजाब, कोंकण, मराठवाड़ा में कुछ स्थानों पर 40-60 किमी प्रति घंटे की गति से हवाएं।

विस्तृत मौसम विवरण के लिए अनुलग्नक II देखें।

मौसमी प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (अनुलग्नक III & IV देखें):

मौसम प्रणालियाँ:

- मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों में दक्षिण उत्तर प्रदेश के मध्य भागों के ऊपर एक ऊपरी हवायुक्त चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है, जो ऊँचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ है।
- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में दक्षिण उत्तर प्रदेश के मध्य भागों के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण से लेकर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक, उत्तर-पूर्व मध्य प्रदेश, झारखंड और उत्तरी ओडिशा के पार एक ट्रफ (निम्न दाब क्षेत्र) फैला हुआ है।

- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में लगभग 87° पूर्वी देशांतर के साथ 21° उत्तरी अक्षांश के उत्तर में एक ट्रफ मौजूद है।

- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में सौराष्ट्र और कच्छ के ऊपर एक ऊपरी हवायुक्त चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।

- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में उत्तर-पूर्व असम और आसपास के क्षेत्रों के ऊपर एक ऊपरी हवायुक्त चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।

- मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों में पश्चिम-मध्य और आसपास के उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा तट के पास एक ऊपरी हवायुक्त चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पूर्वी और मध्य भारत:

- **अत्यधिक भारी वर्षा** (>20 सेमी/24 घंटे) पश्चिम मध्य प्रदेश में 23 और 24 जून को अलग-अलग स्थानों पर संभावित है।

- मध्य प्रदेश में 23 से 27 जून तक अलग-अलग स्थानों पर **भारी से बहुत भारी वर्षा** की संभावना है।

- बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ में 23 से 27 जून तक, विदर्भ में 25 और 26 जून को **अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा** की संभावना है; बहुत भारी वर्षा बिहार में 23 और 24 जून, विदर्भ में 24 जून, झारखंड में 26 जून, ओडिशा में 25 और 26 जून को संभावित है।

- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, गंगा तटीय पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा में 23 से 27 जून तक **हल्की/मध्यम वर्षा** अधिकांश/कई स्थानों पर, गरज, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवाओं के साथ संभावित है।

पश्चिमी भारत:

- कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात राज्य में 23 से 29 जून तक **अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा** की संभावना है; कोंकण में 23 और 24 जून, गुजरात राज्य में 23 जून को **बहुत भारी वर्षा** संभावित है।

- गुजरात राज्य, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा में 23 से 29 जून तक **हल्की/मध्यम वर्षा** अधिकांश/कई स्थानों पर संभावित है।

उत्तर-पश्चिमी भारत:

- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, पंजाब, हरियाणा में 25 से 27 जून; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान में 23 से 29 जून; पश्चिम राजस्थान में 24 और 25 जून; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 23, 24, 28 और 29 जून को **अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा** की संभावना है; **बहुत भारी वर्षा** हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में 23 से 27 जून, पूर्वी राजस्थान में 23 और 24 जून, हरियाणा, पंजाब, पश्चिम उत्तर प्रदेश में 25 और 26 जून, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में 25 जून को संभावित है।

- उत्तर-पश्चिमी भारत में 23 से 29 जून तक **हल्की/मध्यम वर्षा** अधिकांश/कई स्थानों पर, गरज, बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवाओं के साथ संभावित है।

उत्तर-पूर्वी भारत:

- असम और मेघालय, नागालैंड में 23 जून, अरुणाचल प्रदेश में 23 और 24 जून को **अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा** की संभावना है।

- अगले 7 दिनों तक उत्तर-पूर्वी भारत में **हल्की/मध्यम वर्षा** कई/अधिकांश स्थानों पर, गरज, बिजली और अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा के साथ संभावित है।

दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत:

- केरल, कर्नाटक में 23 से 27 जून; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 23, 27 और 28 जून को **अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा** की संभावना है।

- कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तेलंगाना, केरल और माहे, लक्षद्वीप में 23 से 27 जून तक **तेज सतही हवाएँ** (40-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार) संभावित हैं।

- केरल और माहे, लक्षद्वीप, तटीय कर्नाटक में **हल्की/मध्यम वर्षा** कई/कुछ स्थानों पर; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक में 23 से 27 जून तक **अलग-अलग/बिखरी हुई वर्षा** गरज और बिजली के साथ संभावित है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को 22 से 26 जून 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में समुद्र में न जाने की सलाह दी जाती है:

अरब सागर:

- गुजरात तट के साथ और उसके पास दिन 1 और दिन 2 (23 और 24 जून) के लिए; गुजरात तट के पास दिन 3, दिन 4 और दिन 5 (25, 26 और 27 जून) के लिए; कोंकण तट के लिए दिन 1 (23 जून), कोंकण तट के पास दिन 2 से दिन 5 (24 से 28 जून) तक मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी जाती है।

- सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों, ओमान और आसपास के यमन तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी जाती है।

- मध्य और आसपास के उत्तरी, दक्षिणी अरब सागर में दिन 1 से दिन 5 (23 से 28 जून) तक; उत्तर-पूर्वी अरब सागर के कई हिस्सों में दिन 1 (23 जून) के लिए मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी जाती है।

बंगाल की खाड़ी:

- उत्तरी आंध्र प्रदेश तट के साथ और उसके पास दिन 1 (23 जून) के लिए, आंध्र प्रदेश तट के पास दिन 2 (24 जून) के लिए; ओडिशा और पश्चिम बंगाल तटों के साथ और उनके पास दिन 3 और दिन 4 (25 और 26 जून) के लिए मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी जाती है।

- मध्य बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर के अधिकांश हिस्सों में दिन 1 से दिन 2 (23 और 24 जून) तक; पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में दिन 3 से दिन 5 (25 से 28 जून) तक; दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में दिन 1 से दिन 3 (23 से 26 जून) तक मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी जाती है।

- उपरोक्त क्षेत्रों और तारीखों में मछली पकड़ने की गतिविधियों को पूरी तरह से निलंबित करने का सुझाव दिया गया है।

ii. 23 जून से 26 जून, 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक V)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

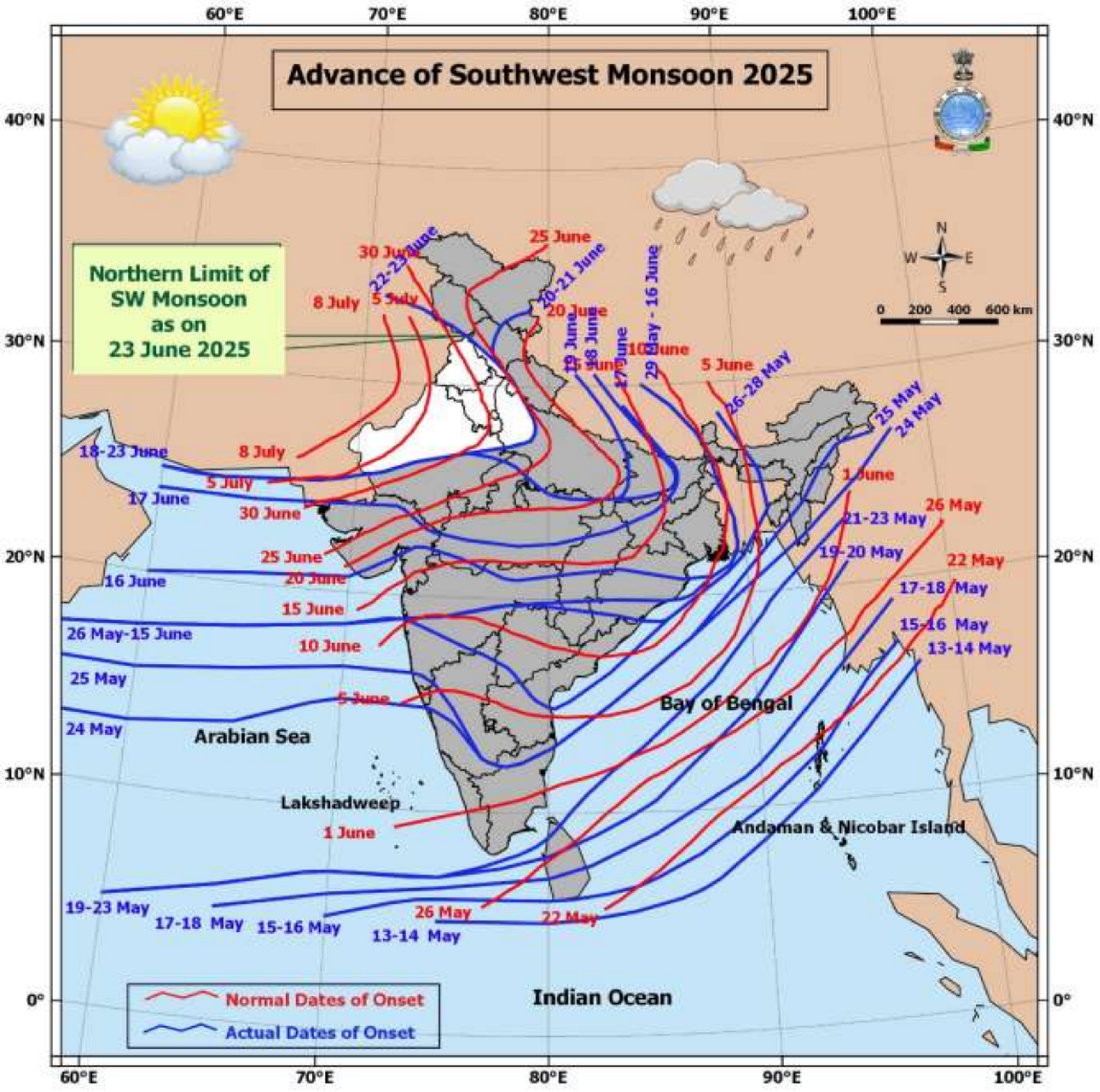

Advance of Southwest Monsoon 2025
Northern Limit of SW Monsoon as on 23 June 2025
Normal Dates of Onset
Actual Dates of Onset
Arabian Sea
Bay of Bengal
Lakshadweep
Andaman & Nicobar Island
Indian Ocean
60°E
70°E
80°E
90°E
100°E
0°
10°N
20°N
30°N
40°N
0 200 400 600 km
18-23 June
17 June
16 June
26 May-15 June
25 May
24 May
19-23 May
17-18 May
15-16 May
13-14 May
8 July
5 July
30 June
25 June
20 June
15 June
10 June
5 June
1 June
26 May
22 May

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- पश्चिम मध्य प्रदेश: मुंगावली (जिला अशोकनगर) 26; बमोरी (जिला गुना) 25; बदरवास (जिला शिवपुरी) 15; चंदेरी (जिला अशोकनगर), गुना-आव्स (जिला गुना) 14 प्रत्येक; सबलगढ़ (जिला मुरैना) 12; राघौगढ़ (जिला गुना) 10; जावरा (जिला रतलाम) 8; कैलारस (जिला मुरैना), कोलार (जिला भोपाल) 7 प्रत्येक;
- सौराष्ट्र और कच्छ: जोडिया (जिला जामनगर) 18; मेंदरदा (जिला जूनागढ़) 15; वंथली (जिला जूनागढ़) 13; कलावड (जिला जामनगर) 12; जूनागढ़ एडब्ल्यूएस (जिला जूनागढ़), केशोद (जिला जूनागढ़), जूनागढ़ (जिला जूनागढ़) 11 प्रत्येक; माणावदर (जिला जूनागढ़) 10; पदधारी (जिला राजकोट), कुटियाना (जिला पोरबंदर) 9 प्रत्येक; जेतपुर (जिला राजकोट), गांधीधाम (जिला कच्छ), भेसन (जिला जूनागढ़) 8 प्रत्येक; धोराजी (जिला राजकोट), बगसरा (जिला अमरेली), मालिया (जिला जूनागढ़) 7 प्रत्येक;
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश: महरौनी (जिला ललितपुर) 16; ललितपुर (जिला ललितपुर) 10; गुन्नौर (जिला संभल) 8; मड़ावरा (जिला ललितपुर) 7;
- कोंकण और गोवा: तलसारी (जिला पालघर) 14; दहानु (जिला पालघर) 13; जव्हार (जिला पालघर) 11; मोखेडा - एफएमओ (जिला पालघर) 9; पोंडा (जिला उत्तर गोवा), वालपोई (जिला उत्तर गोवा) प्रत्येक 8; संगुएम (जिला दक्षिण गोवा) 7;
- गुजरात क्षेत्र: पलसाना (जिला सूरत) 14; कपराडा (जिला वलसाड) 12; अमीरगढ़ (जिला बनासकांठा), उमरपाड़ा (जिला सूरत) 11 प्रत्येक; कामरेज (जिला सूरत) 10; पारडी (जिला वलसाड), मधबुन (जिला दादरा और नगर हवेली) 9 प्रत्येक; वापी (जिला वलसाड), दमन (जिला दमन), खेरगाम (जिला नवसारी) 8 प्रत्येक; धरमपुर (जिला वलसाड), बारडोली (जिला सूरत), सिलवासा (जिला दादरा और नगर हवेली), खानवेल (जिला दादरा और नगर हवेली), गोदरा एडब्ल्यूएस (जिला पंचमहल) 7 प्रत्येक;
- नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: चंपई एडब्ल्यूएस (जिला चम्फाई) 13; सेरचिप एडब्ल्यूएस (जिला सेरछिप), मोकोकचांग (जिला मोकोकचुंग) 8 प्रत्येक;
- बिहार: फारबिसगंज (जिला अररिया) 13; गलगलिया (जिला किशनगंज) 7;
- पूर्वी उत्तर प्रदेश: उस्का बाज़ार एफएमओ (जिला सिद्धार्थ नगर) 13; निचलौल (जिला महराजगंज), कतर्नियाघाट (जिला बहराईच), बलरामपुर (जिला बलरामपुर), बलरामपुर (टी) (जिला बलरामपुर) 9 प्रत्येक; ककराही (जिला सिद्धार्थ नगर), त्रिमोहानी घाट एफएमओ (जिला महराजगंज), भिनगा (जिला श्रावस्ती) 7 प्रत्येक;
- ओडिशा: चंदनपुर (जिला मयूरभंज) 12; दासपल्ला (जिला नयागढ़) 10; बेतनती (जिला मयूरभंज), रसगोविंदपुर (जिला मयूरभंज) 9 प्रत्येक; दैतारी (जिला क्योंझरगढ़) 8; नराज (जिला कटक) 7;
- तटीय कर्नाटक: मुदुबिद्रे (जिला दक्षिण कन्नड़), उप्पिनंगडी (जिला दक्षिण कन्नड़) 11 प्रत्येक; मणि (जिला दक्षिण कन्नड़), बंटवाल (जिला दक्षिण कन्नड़) 10 प्रत्येक; कैसल रॉक (जिला उत्तर कन्नड़), कादरा (जिला उत्तर कन्नड़), गेर्सोप्पा (जिला उत्तर कन्नड़) 8 प्रत्येक; मंगलुरु एपी (जिला दक्षिण कन्नड़), सिद्दापुरा (जिला उडुपी) 7 प्रत्येक;
- अरुणाचल प्रदेश: दापरिजो (जिला ऊपरी सुबनसिरी), तेज़ू एडब्ल्यूएस (जिला लोहित) 11 प्रत्येक; दापोरिज़ो एडब्ल्यूएस (जिला ऊपरी सुबनसिरी) 10; पासीघाट एपी (जिला पूर्वी सियांग) 7;
- उत्तराखंड: लोहारखेत (जिला बागेश्वर), कपकोट (जिला बागेश्वर) 11 प्रत्येक; सामा (जिला बागेश्वर) 10; चमौली (जिला चमौली) 9;
- तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: चिन्नाकलार (जिला कोयंबटूर) 11; शोलायार (जिला कोयंबटूर) 10; सिनकोना (जिला कोयंबटूर) 9; वालपराई पीटीओ (जिला कोयंबटूर), वालपराई पाप (जिला कोयंबटूर) 8 प्रत्येक; वालपराई तालुक कार्यालय (जिला कोयंबटूर), कोल्लीदम (जिला मयिलादुथुराई), उपासी टी रिसर्च एडब्ल्यूएस (जिला कोयंबटूर), लालपेट (जिला कुड्डालोर) 7 प्रत्येक;
- दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: नेपोक्लू (जिला कोडागु) 10; विराजपेट (जिला कोडागु), सोमवारपेट (जिला कोडागु), अगुम्बे इमो (जिला शिवमोग्गा) 9 प्रत्येक; श्रृंगेरी एचएमएस (जिला चिक्कमगलुरु) 7;
- केरल और माहे: कोडुंगल्लूर (जिला त्रिशूर), करिपुर एपी। (जिला मलप्पुरम), चेम्बरी एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर), लोअर शोलायार एडब्ल्यूएस (जिला त्रिशूर) 10 प्रत्येक; तालिपरम्बा (जिला कन्नूर), चलाकुडी (जिला त्रिशूर), उडुंबन्नूर एडब्ल्यूएस (जिला इडुक्की), पनाथुर एडब्ल्यूएस (जिला कासरगोड), मुलियार एडब्ल्यूएस (जिला कासरगोड) 9 प्रत्येक; कुडुलु (जिला कासरगोड), पेरुमपावुर (जिला एर्नाकुलम), कन्नूर (जिला कन्नूर), पेरिंगोम एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर), वडकारा एडब्ल्यूएस (जिला कोझिकोड), अथिरापल्ली एडब्ल्यूएस (जिला त्रिशूर) 8 प्रत्येक; क्विलांडी (जिला कोझिकोड), इरिनजालाकुडा (जिला त्रिशूर), इडुक्की (जिला इडुक्की), कन्नूर हवाई अड्डा एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर), मट्टनचेरी एडब्ल्यूएस (जिला एर्नाकुलम), इदमालयार बांध एडब्ल्यूएस (जिला एर्नाकुलम), कुन्नामंगलम एडब्ल्यूएस (जिला कोझिकोड), कलपेटा एडब्ल्यूएस (जिला वायनाड), एम्स कन्नूर (जिला कन्नूर) 7 प्रत्येक;
- पूर्वी राजस्थान: बारी (जिला धौलपुर), किशनगंज (जिला बारां) 10 प्रत्येक; अटरू एसआर (जिला बारां) 8; टोंक वनस्थली (जिला टोंक) 7;
- उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: जीती टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 10; झलोंग (जिला कलिम्पोंग), नागरकाटा (जिला जलपाईगुड़ी) 9 प्रत्येक; गजोल्डोबा (जिला जलपाईगुड़ी) 8; दार्जिलिंग (जिला दार्जिलिंग), वाशबारी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), मुनसोंग (जिला दार्जिलिंग), तोरसा टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) प्रत्येक 7; ω झारखंड: रांची एपी (जिला रांची) 10; पाकुड़िया (जिला पाकुड़) 7;
- पूर्वी मध्य प्रदेश: मोहनगढ़ (जिला टीकमगढ़) 9; ओरछा (जिला निवाड़ी) 8; बक्सवाहा (जिला छतरपुर) 7;

- असम और मेघालय: बिहुबार (जिला सिबसागर), मार्गेरिटा (जिला तिनसुकिया), रंगनदी एनटी जिंग (जिला लखीमपुर) 9 प्रत्येक; बी पी घाट (जिला श्रीभूमि), ए पी घाट (जिला कछार), चौलधोवाघाट (जिला लखीमपुर), अमराघाट (जिला कछार) 7 प्रत्येक;
- हिमाचल प्रदेश: पांवटा (जिला सिरमौर) 8;
- मध्य महाराष्ट्र: राधानगरी (जिला कोल्हापुर) 8; हरसुल - एफएमओ (जिला नासिक) 7

बीते 24 घंटों में दर्ज झोंकेदार हवाएँ (किमी/घंटा, 23 जून 2025, 0830 बजे IST तक):

- हिमाचल प्रदेश: रिकांग पियो-80, कुकुमसेरी-52, बजौरा-37;
- मध्य महाराष्ट्र: महाबलेश्वर-59 किमी प्रति घंटा, कराड (सतारा)-57 किमी प्रति घंटा, नासिक (विल्होली)-56 किमी प्रति घंटा;
- सौराष्ट्र और कच्छ: 57 किमी प्रति घंटे (वेरावल);
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम (54); स्वराज द्वीप (41); हट बे (39); मायाबंदर (35); शहीद द्वीप (31); फेरारगंज (30);
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश: आगरा (आईएएफ)-48, फर्रुखाबाद-44, शाहजहाँपुर-44;
- पंजाब: संगरूर = 46; रूपनगर = 39;
- कोंकण: सांताक्रूज़ (मुंबई) - 43 किमी प्रति घंटा, पालघर- 41 किमी प्रति घंटा;
- मराठवाड़ा: परभणी (43 किमी प्रति घंटा), बीड (अंबेजोगाई) -48 किमी प्रति घंटा;

अनुलग्नक III

S.No.	Subdivision	23- Jun	24- Jun	25- Jun	26- Jun	27- Jun	28- Jun	29- Jun
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	WS	FWS	SCT	FWS	FWS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
7	ODISHA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
9	BIHAR	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
12	UTTARAKHAND	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
14	PUNJAB	SCT	SCT	WS	WS	FWS	FWS	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	WS	WS	WS	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	SCT	SCT	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT
18	EAST RAJASTHAN	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	FWS
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	SCT	ISOL	ISOL	FWS	FWS	SCT
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL
30	RAYALASEEMA	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS

Table-1: 7 Days Rainfall Forecast

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक IV

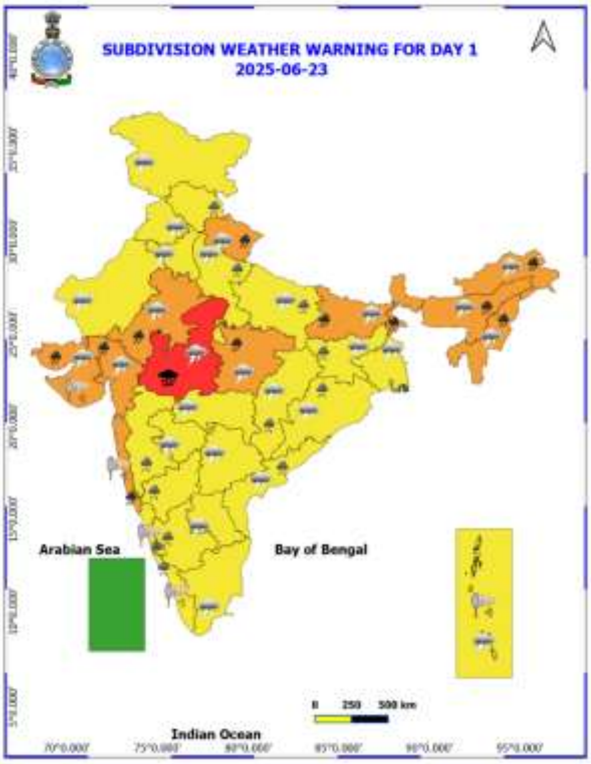
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-06-23
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

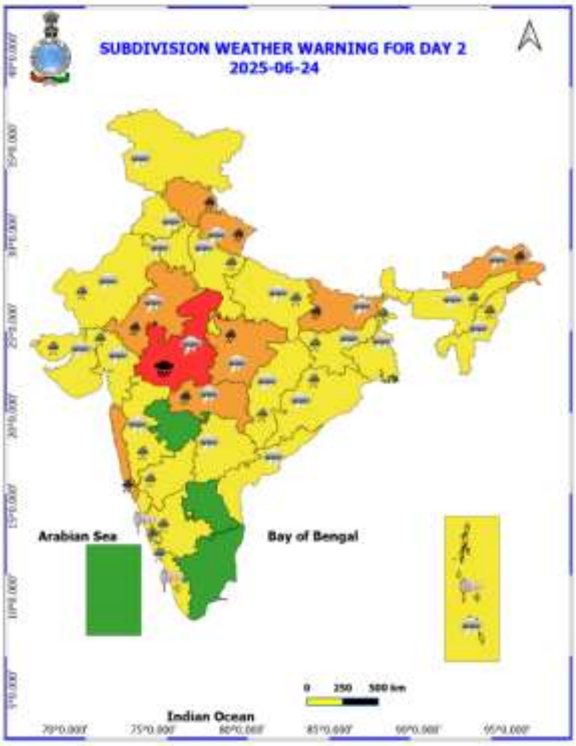
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-06-24
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

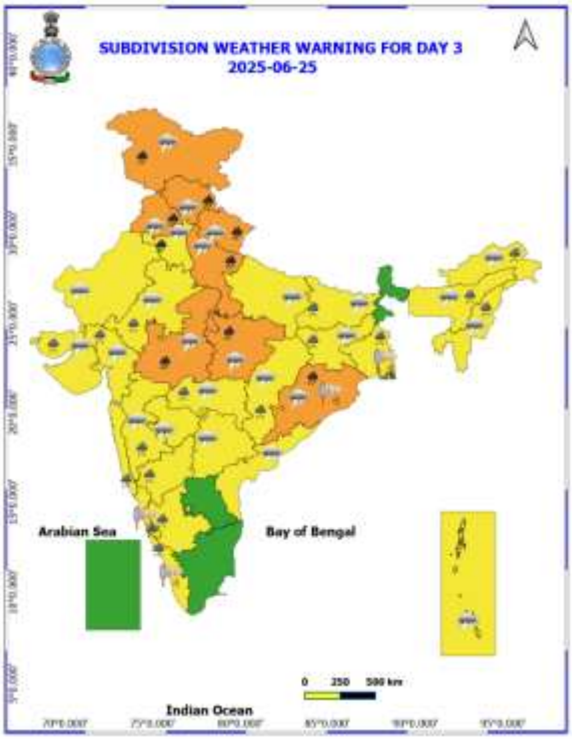
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-06-25
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

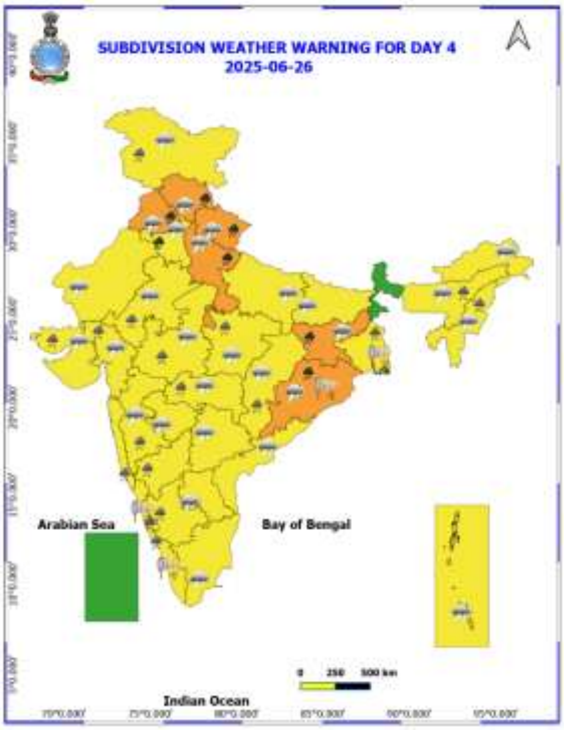

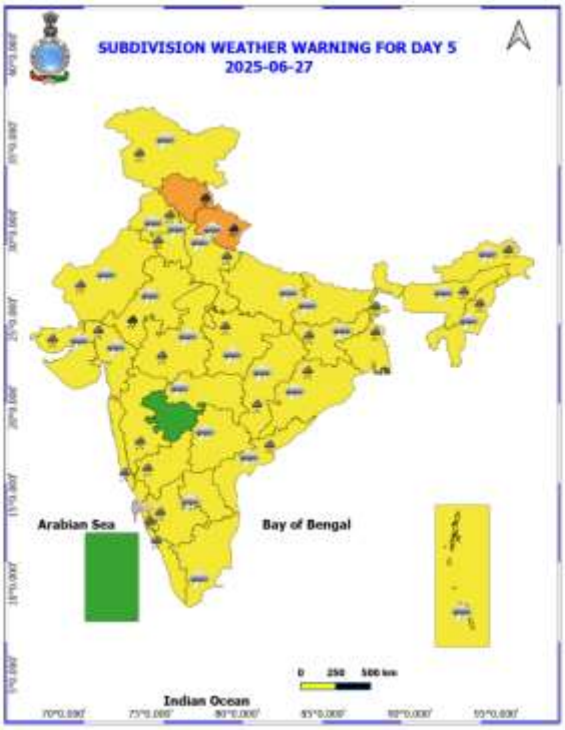

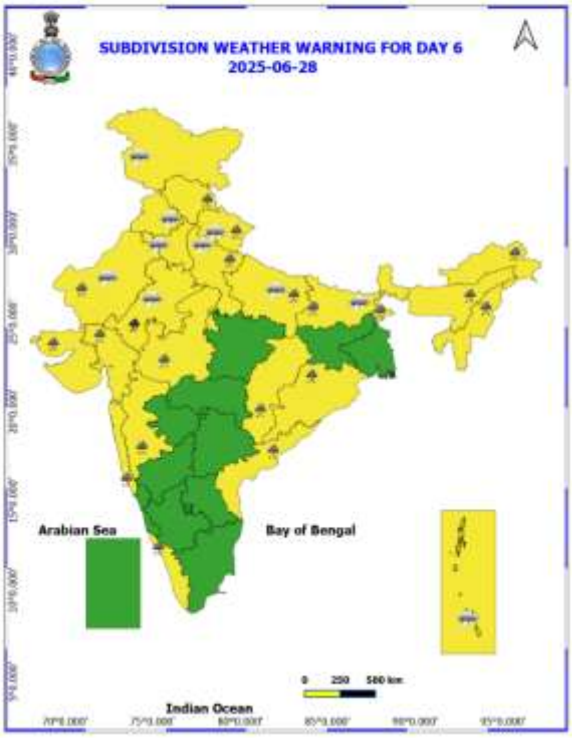

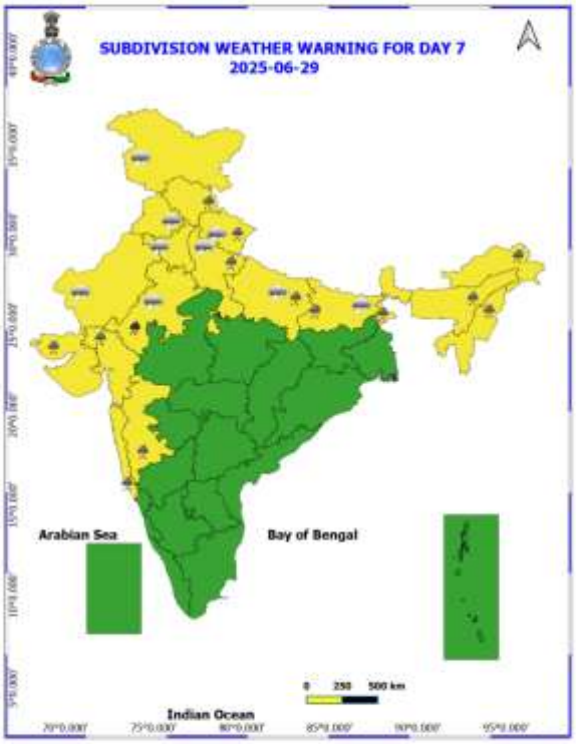

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर के लिए मौसम पूर्वानुमान (23 जून से 26 जून 2025 तक)

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 34 से 36°C और न्यूनतम तापमान लगभग 25 से 28°C के बीच दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3°C कम रहा जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 7°C तक कम रहा। बीते 24 घंटों के दौरान आमतौर पर आकाश में बादल छाए रहे और सतही हवाएं पूर्व दिशा से लगभग 18 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलीं। आज पूर्वाह्न में क्षेत्र में आकाश सामान्यत: बादलयुक्त रहा और दिशा परिवर्तनीय रही, साथ ही हवा की गति 8 किमी प्रति घंटा से कम रही।

मौसम पूर्वानुमान:

23.06.2025: आकाश सामान्यत: बादलयुक्त रहेगा। गरज/बिजली गिरने के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 35 से 37°C के बीच रहने की संभावना है, जो सामान्य से 1 से 2°C तक कम रहेगा। प्रमुख सतही हवा दोपहर में दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेगी, जो शाम और रात में बढ़कर 15-18 किमी प्रति घंटा हो जाएगी।

24.06.2025: आकाश सामान्यत: बादलयुक्त रहेगा। गरज/बिजली गिरने के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36°C और 25 से 27°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास रहेगा जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4°C तक कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेगी, जो दोपहर में बढ़कर 15-18 किमी प्रति घंटा हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेगी।

25.06.2025: आकाश सामान्यत: बादलयुक्त रहेगा। गरज/बिजली गिरने के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35°C और 26 से 28°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक कम रहेगा, और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4°C तक कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेगी। दोपहर में गति घटकर 12 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी और दिशा दक्षिण की ओर बदल जाएगी। शाम और रात को हवा की गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा से कम रहेगी और दिशा दक्षिण से होगी।

26.06.2025: आकाश सामान्यत: बादलयुक्त रहेगा। गरज/बिजली गिरने के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35°C और 26 से 28°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक कम रहेगा, और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4°C तक कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेगी। दोपहर में गति घटकर 12 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी और दिशा पूर्व की ओर बदल जाएगी। शाम और रात को हवा की गति घटकर 10 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी और दिशा उत्तर-पूर्व से रहेगी।

गरज /वज्रपात और तेज हवाओं के संभावित प्रभाव एवं सुझाए गए एहतियाती कदम:

- गरज /वज्रपात और तेज हवाओं (30 - 50 किमी/घंटा, अस्थायी रूप से 60 किमी/घंटा तक) की संभावना को देखते हुए सतर्क रहें और आवश्यक सावधानियाँ अपनाएँ।
- पेड़ों की डालियाँ टूटने, बड़े वृक्षों के उखड़ने, सूखी डालियाँ गिरने, फसलों को नुकसान, बिजली और संचार लाइनों को नुकसान, कमजोर ढाँचों को आंशिक क्षति और उड़ने योग्य वस्तुओं के उड़ने की आशंका है।
- नागरिकों को सलाह दी जाती है कि मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाएँ।
- घर के भीतर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें, यात्रा से बचें, मजबूत आश्रय लें, पेड़ों के नीचे न ठहरें, सीमेंट की दीवारों से न सटें, बिजली के उपकरणों को अनप्लग करें, जलाशयों से दूर रहें और किसी भी विद्युत-चालक वस्तु से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई

- 23 और 24 जून को पश्चिमी मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी/24 घंटे) होने की संभावना है।
- 23 और 24 जून को पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, कोंकण, अरुणाचल प्रदेश में बहुत भारी वर्षा; 24 को विदर्भ; 26 को झारखंड, 25 और 26 जून को ओडिशा, हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 23 को गुजरात राज्य, असम और मेघालय, नागालैंड; 23-27 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, 25 जून को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद।

अपेक्षित प्रभाव

- ❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- ❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- ❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- ❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना
- ❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- ❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- ❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- ❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श (आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)

- ➢ **गुजरात में**, धान की नर्सरी बुवाई स्थगित करें। पहले से बोई गई धान की नर्सरी, गन्ने के खेतों, केले और आम के बागानों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। गन्ने और केले को गिरने से बचाने के लिए उन्हें प्रदान करें। **सौराष्ट्र और कच्छ में**, खरीफ मूंगफली, कपास, तिल, बाजरा, मूंग, उड़द, लोबिया, अरहर, मक्का, ज्वार और सब्जियों की बुवाई को स्थगित करें। सब्जी नर्सरी और बागवानी फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल निकाल दें।
- ➢ **पश्चिम मध्य प्रदेश** में मक्का की कटाई को स्थगित करें। बाजरा, सोयाबीन, अरहर और धान की नर्सरी की बुआई को स्थगित करें। जलभराव से बचने के लिए सब्जियों और बगानों से अतिरिक्त जल निकालने के लिए आवश्यक प्रबंध करें। **पूर्वी मध्य प्रदेश** के **काइमोर पठार और सतपुड़ा पहाड़ी क्षेत्र** में, परिपक्व मूंग और उड़द की फसल की कटाई करें और उसे सुरक्षित स्थान पर रखें। **पश्चिमी मध्य प्रदेश** के **गिर्द क्षेत्र** में, परिपक्व मक्का की फसल की कटाई करें और उसे सुरक्षित स्थान पर रखें। सोयाबीन की बुवाई और मिर्च, टमाटर, बैंगन आदि की रोपाई को स्थगित करें तथा पहले से बोए गए / रोपे गए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ➢ **पूर्वी राजस्थान** में भिंडी और कद्दूवर्गीय सब्जियों की कटाई करें तथा उन्हें सुरक्षित स्थान पर भण्डारित करें। मूंगफली और मूंग की फसल के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- ➢ **उत्तराखंड** में धान की नर्सरी, अरहर, मूंगफली, मक्का, सोयाबीन, बाजरा और रागी की फसलों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी चैनल बनाएं। **उत्तराखंड** के **भाबर और तराई क्षेत्र** में, परिपक्व वसंत मक्का की फसल और सब्जियों (कद्दू, टमाटर, भिंडी, मिर्च, फ्रेंच बीन आदि) की कटाई मौसम साफ होने पर ही करें और सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें।

- **हिमाचल प्रदेश** के **उप-पर्वतीय और निम्न पहाड़ी उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में मक्का और सब्जियों के खेतों में जल निकासी की व्यवस्था करें। लताओं और लंबी सब्जी फसलों (टमाटर, शिमला मिर्च आदि) के लिए सहारे को मजबूत बनाएँ। **हिमाचल प्रदेश** के **मध्य पहाड़ी उप-आर्द्र क्षेत्र** में, भारी बारिश के कारण होने वाले नुकसान को कम करने के लिए आलूबुखारा, नाशपाती और स्टोन-फ्रूट के पके हुए फलों की तुड़ाई करें। मक्का, सेब, नाशपाती, अनार, कीवी, खीरा और टमाटर के खेतों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी चैनल बनाएं। खीरे की लताओं और टमाटर के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहारा प्रदान करें।
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश** में, धान की नर्सरी को भारी वर्षा के प्रतिकूल प्रभावों से बचाने हेतु आवश्यक व्यवस्था बनाए रखें। **पश्चिमी उत्तर प्रदेश** में अरहर और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। लौकीवर्गीय सब्जियों को सहारा प्रदान करें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में**, धान की नर्सरी तथा जूट और अदरक के खेतों में जलजमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।
- **झारखंड में,** पहले से बोए गए मक्का के खेतों, धान और सब्जी की नर्सरियों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।
- **ओडिशा में,** पहले से बोई गई धान की नर्सरी, मक्का और सब्जियों के खेतों से जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। बीजों को बहने से रोकने के लिए धान और सब्जियों की नर्सरी को प्लास्टिक शीट से ढक दें।
- **कोंकण और गोवा** में, जलभराव से बचाव हेतु धान की नर्सरी, रागी तथा मूंगफली के खेतों और बागवानी फसलों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **मध्य महाराष्ट्र** के **घाट क्षेत्रों में,** जलभराव को रोकने के लिए धान की नर्सरी और केले के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **असम में**, तिल, फॉक्सटेल बाजरा (कांगनी), बोरो धान, केला और सिट्रस फलों की कटी/ तोड़ी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। जलभराव को रोकने के लिए साली धान की नर्सरी, मक्का और गन्ने के खेतों, सुपारी और नारियल के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। **असम** के **बराक घाटी क्षेत्र** में, साली धान की नर्सरी बुवाई स्थगित करें।
- **मेघालय** में, विशेष रूप से घाटियों में धान की नर्सरी बुवाई स्थगित करें। मक्का, अदरक, फ्रेंच बीन, लोबिया, सब्जियों के खेतों और धान की नर्सरी के आसपास जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। लोबिया, ककड़ी और लौकी को मजबूत बांस की डंडियों या जाली का सहारा प्रदान करें ताकि बेलें गीली ज़मीन पर न गिरें। केले के पौधे को गिरने से बचाने हेतु सहारा दें।
- **अरुणाचल प्रदेश में,** सोयाबीन और मिर्च तथा भिंडी जैसी सब्जियों की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान की नर्सरी, कीवी और सेब के बागानों में जलभराव से बचाव के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **नागालैंड** में, TRC/WRC धान की रोपाई से बचें। सोयाबीन की बुवाई स्थगित करें। बेलवर्गीय पौधों को उचित सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श (आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

24-06-2025 के 1130 IST तक फ्लैश फ्लड रिस्क (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-विभागों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम फ्लैश फ्लड का खतरा होने की संभावना है।

पूर्वी राजस्थान - बारां, झालावाड़ और कोटा जिले।

पश्चिमी मध्य प्रदेश - अशोकनगर, गुना, श्योपुर और शिवपुरी जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (AoC) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

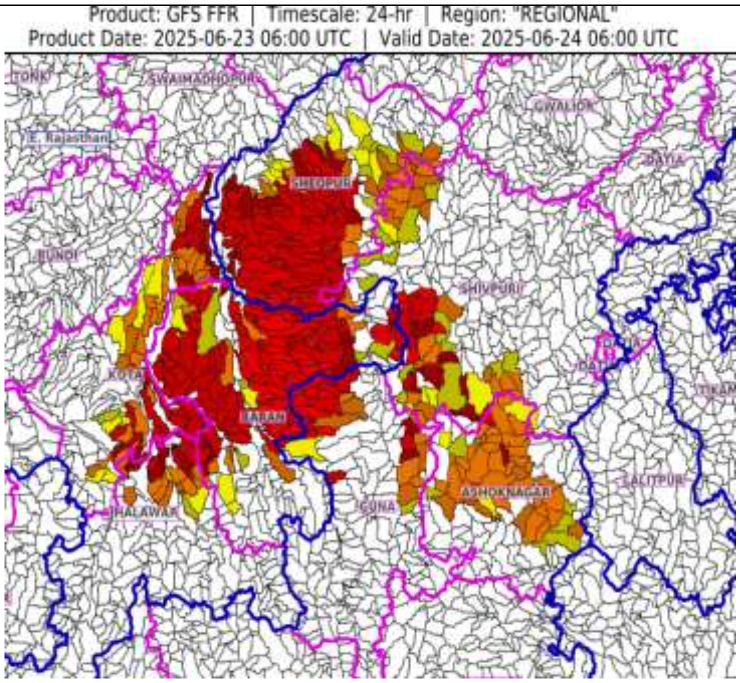

24-06-2025 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर) के लिए 24 घंटे का आउटलुक:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

अरुणाचल प्रदेश - चांगलांग, दिबांग घाटी, पूर्वी कामेंग, पूर्वी सियांग, लोहित, निचली दिबांग घाटी, निचली सुबनसिरी, पापुम-पारे, तवांग, तिराप, पश्चिम कामेंग, पश्चिम सियांग, अंजॉ, ऊपरी सियांग और कुरुंग कुमेय जिले।
नागालैंड मिजोरम मणिपुर त्रिपुरा (एनएमएमटी)-
मणिपुर: बिष्णुपुर, चंदेल, चुराचांदपुर, इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, सेनापति, तामेंगलोंग, थौबल, उखरुल;
मिजोरम: आइजोल, चम्फाई;
नागालैंड: दीमापुर, किफिर, कोहिमा, लोंगलेंग, मोकोकचुंग, मोन, पेरेन, फेक, तुएनसांग, वोखा, जुन्हेबोटो;

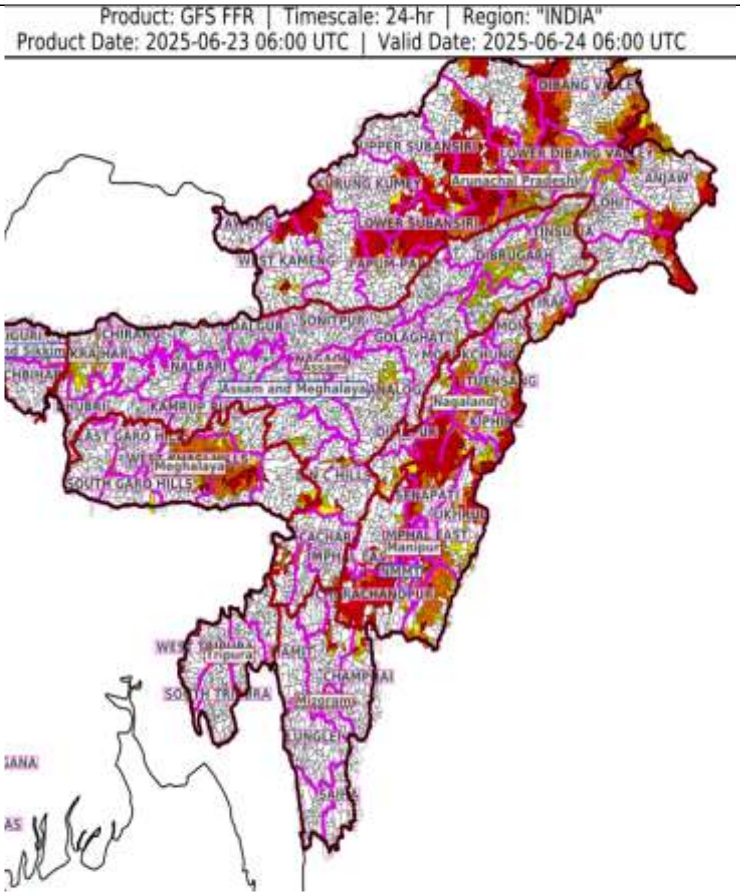

त्रिपुरा: गोमती, खोवाई, सिपाहीजाला, उनाकोटी। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (एओसी) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

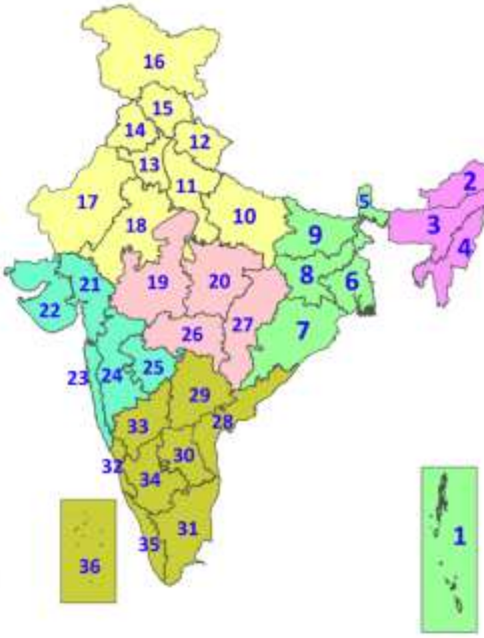

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)